an>

Title: Need to take steps for opening a petro-chemical factory in Barauni, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) : महोदया, आपसे, आपके आसन से सार्वभौम सदन प्रतिपादित होता है। जिन सवालों को आप ने उठाने की इज़ाजत दी है, वह सार्वभौम सदन की आवाज़ होती है। मैं पिछले कई वर्षों से आसन के आदेश से उस सवाल को उठाते आ रहा हूं जिसे कभी पंडित जवाहरलाल नेहरू ने और बिहार केसरी ने बरौनी रिफाइनरी की स्थापना करके किया था। यह परंपरा है और यह होनी भी चाहिए।

महोदया, जब रिफाइनरी का जन्म होता है तो उसके गर्भ से पेट्रो केमिकल कारखाने का भी जन्म होता है। पचास वर्षों में बरौनी रिफाइनरी अब अपना स्वर्णिम काल मना रहा है, लेकिन इसके गर्भ से एक अंकुर भी प्रतिपादित नहीं हुआ और न ही पौधे निकले। दुर्भाग्य है कि राजनीतिक विडम्बनाओं ने बिहार के साथ, बरौनी के साथ जो खेल खेला है, उसके कारण बिहार पिछड़ेपन का शिकार हुआ है और बरौनी की जनता ठगा-सा महसूस करती है।

महोदया, वहां फर्टिलाइजर प्लांट का भी जन्म हुआ और वह बंद हुआ। पर, वह प्लांट पुनः चालू हो, उस दिशा की ओर आज तक कहीं कोई संकेत नहीं है। पिछले दिनों इसी लोक सभा के सार्वभौम सदन में तत्कालीन मंत्री ने और वर्तमान सरकार के मंत्री जी ने भी सकारात्मक घोषणा की थी। पर, उनकी घोषणा के बाद भी कोई अंकुर, कोई पौधा दिखाई नहीं पड़ता है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि वर्ष 1984-85 में तत्कालीन सरकार ने बरौनी रिफाइनरी के पेट्रो केमिकल कारखाने की मेसर्स इंजीनियर्स इंडिया के माध्यम से इसकी जांच करायी थी कि बरौनी तेलशोधक कारखाने से पेट्रो केमिकल कारखाने की कितनी यूनिट लग सकतीं हैं। मेसर्स इंजीनियर्स इंडिया ने जांच करके बताया कि उसमें से आठ ऐरोमैटिक कारखाने खुल सकते हैं। पर, वहां किसान आज भी ऊहापोह की स्थिति में हैं। खाद महंगा है।

माननीय अध्यक्ष : आपने अपने विषय को रख दिया है। अब अपना भाषण समाप्त करें।

डॉ. भोला सिंह : महोदया, हम आपके सार्वभौम सदन के माध्यम से वर्तमान सरकार से आग्रह करना चाहते हैं कि जो वहां ऊहापोह की स्थिति है, जो हमारे साथ विडम्बना का व्यवहार हुआ है, उसे दूर कर बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए, बरौनी रिफाइनरी की पेट्रो केमिकल कारखाने को जन्म देने के लिए और उसे लागू करने के लिए कठोरतम कार्रवाई करें। इस ओर मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. भोला सिंह द्वारा उठाए गए विषय से

श्री एस.एस.अहलुवालिया,

श्रीमती रमा देवी और

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।